एनआईसी मध्य प्रदेश द्वारा पंचायत दर्पण पोर्टल पर एमपी जल निगम के यूनिफाइड एसक्यूसी एवं एसक्यूसी (O&M) के मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइज़र एवं असिस्टेंट मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइज़र हेतु प्रशिक्षण सत्र

आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, भोपाल में यूनिफाइड एसक्यूसी एवं एसक्यूसी (O&M) के मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइज़र एवं असिस्टेंट मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइज़र हेतु आयोजित **तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** के अंतर्गत **08 मई 2026** को एनआईसी मध्य प्रदेश द्वारा एक तकनीकी व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य यूनिफाइड एसक्यूसी एवं एसक्यूसी (O&M) के मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइज़र तथा असिस्टेंट मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइज़र को **पंचायत दर्पण पोर्टल पर विकसित डिजिटल प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं** के संबंध में प्रशिक्षित करना था, ताकि वे ग्राम पंचायतों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर सकें और जल प्रभार प्रबंधन एवं ऑनलाइन भुगतान प्रणाली के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

सत्र के दौरान श्री दीपक व्यास (संयुक्त निदेशक–आईटी, एनआईसी मध्य प्रदेश) एवं श्री राकेश साहू (सहायक. निदेशक-आईटी, एनआईसी एमपी) द्वारा मध्य प्रदेश जल निगम के लिए पंचायत दर्पण पोर्टल पर विकसित प्रमुख मॉड्यूल्स एवं तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया। श्री दीपक व्यास ने जल निगम की परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों (PIUs) द्वारा ग्राम पंचायतों के लिए जल प्रभार बिल तैयार किए जाने, बिल देखने, ऑनलाइन भुगतान तथा रसीद प्राप्त करने की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तृत प्रदर्शन किया।

सत्र में नागरिक सेवा पोर्टल, ग्राम पंचायत कर आकलन एवं बिलिंग प्रणाली तथा ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। इन प्रणालियों के माध्यम से कर आकलन, बिल अवलोकन, डिजिटल भुगतान एवं रसीद निर्माण की सुविधा उपलब्ध है। इससे वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ती है, प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित होती हैं तथा पंचायतों एवं नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्राप्त होती हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की तथा प्रश्नोत्तर सत्र में प्रणाली के उपयोग, ग्राम पंचायतों से सहमति प्राप्त करने तथा फील्ड स्तर पर क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न प्रश्नों एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

यह व्याख्यान सत्र प्रतिभागियों को पंचायत दर्पण पोर्टल पर विकसित डिजिटल प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं की बेहतर समझ प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुआ, जिससे वे ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय स्थापित कर इन प्रणालियों के प्रभावी उपयोग एवं सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

संकलन : राकेश साहू, सहायक निदेशक (IT)

Training Session by NIC Madhya Pradesh at RCVP Noronha Academy of Administration and Management, Bhopal for Manager Community Mobilizers and Assistant Manager Community Mobilizers of Unified SQC and SQC (O&M)

A technical lecture session was delivered by NIC Madhya Pradesh during a three-day residential training programme organized by MP Jal Nigam on **08 May 2026** at RCVP Noronha Academy of Administration and Management, Bhopal. The objective of the programme was to train Manager Community Mobilizers and Assistant Manager Community Mobilizers of Unified SQC and SQC (O&M) on the digital systems and processes developed on the Panchayat Darpan Portal so that they can effectively coordinate with Gram Panchayats and facilitate the smooth implementation of water charge management and online payment systems.

During the session, Sh. Deepak Vyas (Joint Director–IT, NIC Madhya Pradesh) and Sh. Rakesh Sahu (Assistant Director–IT, NIC Madhya Pradesh) conducted training on the key modules and technical features developed on the Panchayat Darpan Portal for MP Jal Nigam. Sh. Deepak Vyas provided a detailed demonstration of the complete workflow through which the Project Implementation Units (PIUs) of Jal Nigam generate water charge bills for Gram Panchayats, view bills, facilitate online payments, and obtain payment receipts.

The session also covered the Citizen Service Portal, Gram Panchayat Tax Assessment and Billing System, and online payment mechanisms. These systems facilitate tax assessment, bill viewing, digital payments, and receipt generation, thereby enhancing transparency, streamlining financial management, and improving service delivery to Panchayats and citizens.

Participants actively engaged throughout the session and raised several questions and suggestions during the interactive discussion and question-answer session, particularly regarding obtaining consent from Gram Panchayats and effective implementation at the field level.

The lecture significantly enhanced participants' understanding of the digital systems developed on the Panchayat Darpan Portal, enabling them to play a vital role in coordinating with Gram Panchayats and supporting successful implementation of these systems.